रंजीत यादव सर

खिलजी वंश (Khalji Dynasty)

(1290-1320 ई.)

KD LIVE

रंजीत यादव सर

- खिलजी क्रांति – मो. हबीब
- जलालुद्दीन फिरोज खिलजी (1290-1296 ई.)
- अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316 ई.)
- मुबारकशाह खिलजी (1316-1320 ई.)

जलालुद्दीन फिरोज खिलजी (1290-1296 ई.)

- इसने गुलाम वंश के अंतिम शासक क्यूमर्स की हत्या कर दी और खिलजी वंश की स्थापना की। इसका वास्तविक नाम मलिक फिरोज था।
- इसके समय **2000** मंगोलों ने इस्लाम धर्म को स्वीकार किया और दिल्ली के निकट मुगलपुर (मंगोलपुरी) की स्थापना की। ये मुस्लिम नवीन मुसलमान कहलाएं।
- अपनी योग्यता के दम पर एक सैनिक के पद से उठते हुए सर-ए-जहाँदार (शाही अंगरक्षक) के पद को ग्रहण किया। ये पद इसे कैकुबाद ने दिया।

- फिरोज खिलजी को आगे चलकर समाना का गर्वनर बना दिया गया।
- मंगोल आक्रमण का सफलता पूर्वक सामना करने के कारण इसे कैकुबाद ने शाइष्ता खाँ की उपाधि दी तथा आरिज-ए-मुमालिक (सेना मंत्री) का पद भी दिया।
- **13** जुन, **1290** ई. को कैकुबाद द्वारा निर्मित किलोखरी के महल में इसका राज्याभिषेक हुआ।

- इसके समय ईरानी फकीर सीदी मौला को हाथी के पैरों तले कुचलवा दिया गया।
- मुसलमानों का दक्षिण भारत पर प्रथम आक्रमण जलालुद्दीन के समय देवगिरी के शासक रामचन्द्र देव पर हुआ।
- रणथम्भौर आक्रमण के समय इसने कहा मैं एक वृद्ध मुसलमान हूं और मुसलमानों का रक्त बहाने की मेरी आदत नहीं है।

रंजीत यादव सर

अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316 ई.)

जन्म- 1266 ई. में

मृत्यू- 1316 ई. में

बचपन का नाम- अली गुर्शास्प

पिता- शहाबुद्दीन खिलजी

चाचा - जलालुद्दीन खिलजी

रंजीत यादव सर

सेनापति- मलिक काफूर (दक्षिण भारत)

दोस्त - अला-उल-मुल्क

कवि- अमीर खुसरो, हसन देलहवी

राज्याभिषेक- दिल्ली (लाल महल)

उपाधि - सिकंदर द्वितीय (सिकंदर-ए-सानी)

रंजीत यादव सर

बेटा - खिज्र खान, शादी खान, कुतुबुद्दीन मुबारकशाह, शाहबुद्दीन उमर

उत्तराधिकारी- शाहबुद्दीन उमर

राजधानी- सीरी

पत्नी - मलिका-ए-जहाँ (जलालुद्दीन की बेटी)

महरु (अल्प खान की बहन)

कमला देवी (कर्ण की पूर्व पत्नी)

झत्यपलीदेवी (रामचंद्र देव की बेटी)

रंजीत यादव सर

समाधि- दिल्ली

जलालुद्दीन खिलजी की हत्या मुहम्मद सलीम और इख्तियारुद्दीन हूद से करायी।

प्रमुख कार्य

कृषि पैमाइश, कृषि सुधार

बाजार सुधार प्रणाली या आर्थिक सुधार प्रणाली या मूल नियंत्रण प्रणाली

स्थाई सेना, नगद वेतन, दाग एवं हुलिया प्रथा की शुरुआत

खराज कर 50% (भूमिकर), खालसा भूमि का विस्तार, खुम्स कर में परिवर्तन, मकान कर (घरी कर), चराई (चरी कर)।

अलाउद्दीन खिलजी का उत्तर भारत अभियान				
राज्य	शासक	अभियान का नेतृत्व	वर्ष	विशेष विवरण
गुजरात	रायकरन बघेला (कर्ण)	उलूग खाँ + नुसरत खाँ	**1298** ई.	गुजरात अभियान के काल में जैसलमेर को विजित किया राजा कर्ण भाग गया।
रणथम्भौर	राणा हम्मीर देव (चौहान वंश)	उलूग खाँ + नुसरत खाँ	**1301** ई.	पहले राणा सांगा ने आक्रमण को विफल कर दिया और नुसरतखाँ मारा गया। तत्पश्चात् अलाउद्दीन ने सेना का नेतृत्व किया। युद्ध में राजपूतों की पराजय हुई फलस्वरुप स्त्रियों ने जौहर कर लिया।

चित्तौड़	रतन सिंह	अलाउद्दीन खिलजी	1303 ई.	चित्तौड़ पर अधिकार कर उसका नाम खिज्राबाद रखा। 1311 ई. में चित्तौड़ मालदेव को सौंप दिया।
मालावा	महलकदेव	आइनुलमुल्क मुल्तीनी	1305 ई.	महलकदेव माण्डू भाग गया व मालवा खिलजी साम्राज्य के अधीन हो गया।
सिवाना	शीतलदेव (परमार वंश)	कमालुद्दीन कुर्ग	1308 ई.	
जालौर	कान्हदेव (कृष्णदेव)	कमालुद्दीन कुर्ग	1311 ई.	कान्हादेव के भाई मालदेव को खुश होकर चित्तौड़ सौंप दिया।

अलाउद्दीन खिलजी का उत्तर भारत अभियान				
राज्य	शासक	अभियान का नेतृत्व	वर्ष	विशेष विवरण
देवगिरि	रामचंद्र देव (यादव शासक)	अलाउद्दीन खिलजी	**1296** ई.	रामचंद्र देव ने एलिचपुर प्रान्त से होने वाली आय देने का वचन दिया।
देवगिरि	रामचंद्र देव	मलिक काफूर	**1307** ई.	वचन देने के बाद भी रामचंद्र ने अलाउद्दीन को कर देना बंद कर दिया जिसके परिणामस्वरुप खिलजी ने आक्रमण कर दिया। इसके पश्चात् रामचंद्र दिल्ली पहुँचा। जहाँ अलाउद्दीन ने मित्रवत् व्यवहार कर रामचन्द्र को रायरायन की उपाधि दी और नवसारी जिला भेंट किया। रामदेव की पुत्री इल्लापाली से अलाउद्दीन ने विवाह कर लिया।

वारगंल	प्रताप रुद्र देव (काकतीय वंश)	मलिक काफूर	1309 ई.	देवगिरी ने काफूर की सहायता की तथा मलिक काफूर तेलंगाना की राजधानी पहुँचा जहाँ से वह शासक की सोने की मूर्ति कोहिनूर हीरा तथा भारी मात्रा में लूट का माल लेकर लौटा।
द्वारसमुद्र	वीर बल्लाल-III (होयसल वंश)	मलिक काफूर	1310 ई.	देवगिरी के सेनापति पारसदेव (परशुराम दलावे) ने भी काफूर की सहायता की। वीर बल्लाल ने पाण्ड्य उत्तराधिकारी के युद्ध में भाग लिया तथा समर्पण कर दिया और काफूर के साथ दिल्ली चला गया। जिसका अलाउद्दीन ने भव्य स्वागत किया।

पाण्ड्य	वीर पाण्ड्य	मलिक काफूर	**1311** ई.	काफूर पाण्ड्य राज्य के उत्तराधिकारी युद्ध में सुंदर पाण्ड्य के पक्ष में गया था जिसके साथ में वीर बल्लाल भी था। वह अभियान लूट की दृष्टि से श्रेष्ठ था।
देवगिरि	शंकरदेव (सिघंण-**III**)	मलिक काफूर	**1313** ई.	शंकरदेव सिंघण-**III** मारा गया और देवगिरी अधिकांशत: दिल्ली सल्तनत में शामिल कर लिया गया।

Campus

KD LIVE

रंजीत यादव सर

अलाउद्दीन की मंत्रिपरिषद्

विभाग	कार्यरत
दीवाने वजारात	वजीर (मुख्यमंत्री)
दीवाने रिसालत	विदेश विभाग
दीवाने इंशा	शाही आदेश का पालन
दीवाने आरिज	सैन्य मंत्री

KD LIVE

रंजीत यादव सर

अलाउद्दीन के बाजार नियंत्रण अधिकारी

बरीद-ए-मंडी	बाजार निरीक्षक
शहना-ए-मंडी	बाजार अधीक्षक
दीवान-ए-रियासत	बाजार नियंत्रक
मन्हैयान	गुप्तचर
सराय अद्ल	न्याय अधिकारी